एबई

कहानी और चित्र : ईव राइस

हिंदी: नीला त्रिवेदी



एड्डी को अपना नाम पसंद था - लेकिन आगे के दो दांत खोने के बाद वह "एबई" जैसा बोला गया और वह ऐसे ही बुलाया जाने लगा। उसने वापस "एड्डी" बोलना सीख लिया और फिर चल पड़ा सब को राजी करने - मां, पापा, दादी, आर्थर चाचा,और छोटी एम्मा को भी - अपने सही नाम से पुकारने के लिये।

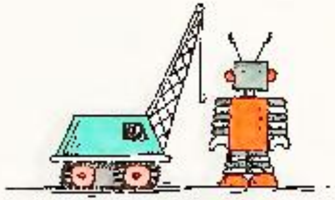


एबई

कहानी और चित्र : ईव राइस

हिंदी: नीला त्रिवेदी

एडवर्ड के लिये - उस की पुस्तक



प्यार से



जब एड्डी छोटा था

वह एक बहुमंजिला इमारत में रहता था।

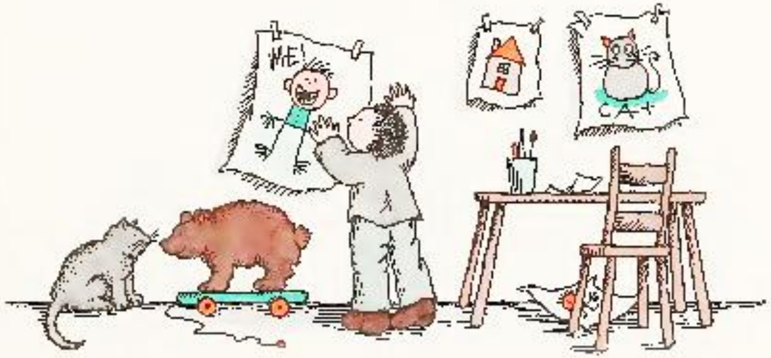
उसकी एक छोटी बहन थी "एम्मा"।



एम्मा ने उसे सीढ़ियों से धक्का दे दिया।

वह ऐसा करना नहीं चाहती थी लेकिन

एड्डी के दो आगे वाले दांत गिर गये।



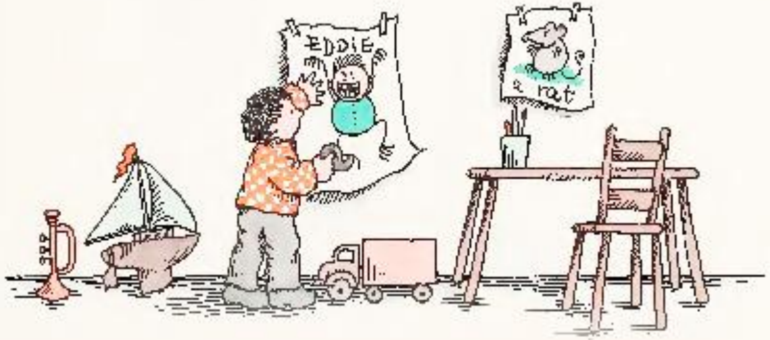
उसके बाद एडवर्ड (जो उसका असली नाम था) अपने

आप को "एबई" कहने लगा क्यों कि बिना आगे के

दो दांतों के बहुत मुश्किल था " एड्डी" कहना।

और बाकी सब ने भी उसे "एबई" कहना शुरू किया - मां, पापा, दादी, आर्थर चाचा और छुटकी एम्मा।





जब एडवर्ड थोड़ा बड़ा हुआ उसे अच्छा नहीं लगता था कि सब उसे "एबई" कह कर बुलाते हैं। अपने दो दांतों के बिना ही वह "एड्डी" कहना सीख गया।



लेकिन बाकी कोई भी नहीं सिखा।

वे अभी भी उसे "एबई" कहते थे।

इस बात से वह बहुत गुस्सा हुआ।

"एबई," मां ने कहा।

"मैं एबई 'नहीं हूँ," उसने कहा।



"एबई," पापा बोले।

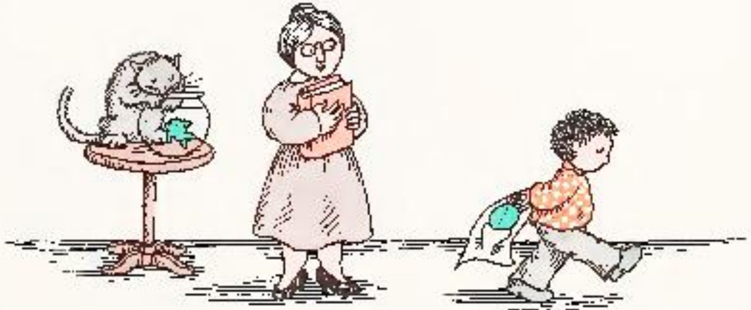
"एड्डी," उसने सुधारा।

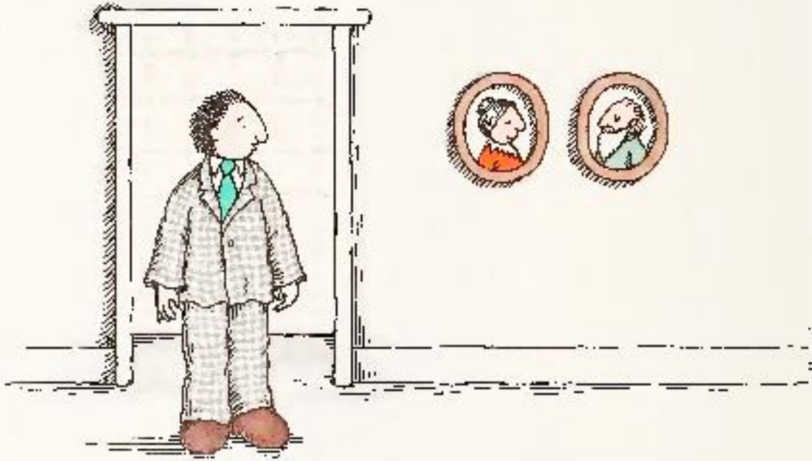


"मेरा प्यारा छोटा 'एबई'," दादी ने पुकारा।

एडवर्ड ने जवाब ही नहीं दिया।

और जब आर्थर चाचा आये तो उसका आता पता ही नहीं था।





"एबई कहाँ है?" आर्थर चाचा ने पूछा।



किसी को पता नहीं था।



इसी लिये सब उसे ढूंढने में लग गये।



मां, पापा, दादी, आर्थर चाचा और छुटकी एम्मा।

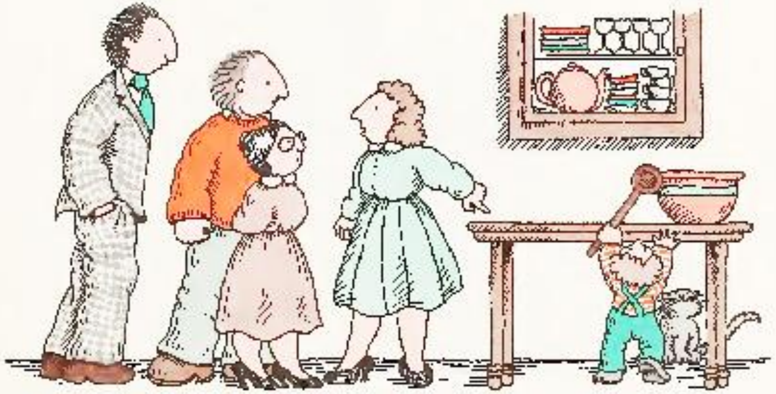
उन्होंने हॉल में देखा।

एबई नहीं था लेकिन किसी ने कागज़ के टुकड़े पर
"एड्डी" लिखकर उसे दरवाज़े पर चिपका दिया था।



उन्होंने रसोई घर में देखा।

एबई नहीं था लेकिन किसी ने
दंतखुदनी से "एड्डी" लिखकर रखा था।



उन्होंने अलमारी में देखा।



उन्होंने अग्नि सोपान में देखा।



उन्होंने एडवर्ड के कमरे में देखा।

वहाँ भी एबई नहीं था लेकिन किसी ने
दीवार पर लिखा था "एड्डी"।



"अरे रे," आर्थर चाचा बोले।
"एबई कहाँ होगा?" पापा ने पूछा।



मां ने एक मिनट के लिए सोचा फिर बोलीं,

"आप का मतलब है एड्डी कहाँ होगा।"

"हाँ मेरा यही मतलब है," पापा बोले,

"अगर मेरा नाम इतना अच्छा होता तो मैं कहीं नहीं जाता।"



"हो सकता है वह कहीं छुप गया हो," दादी बोली,

"हो सकता है वह इसी कमरे में कही छुपा हो।"



इस लिये सब ध्यान से सुनने लगे।

पापा को लगा उन्होंने एक चरमराहट सुनी।

मां को लगा उन्होंने किसी हंसी सुनी।



लेकिन सब अच्छी तरह जानते थे कि उन्होंने

पलंग के नीचे से किसी को ज़ोर से "एड्डी" कहते सुना।



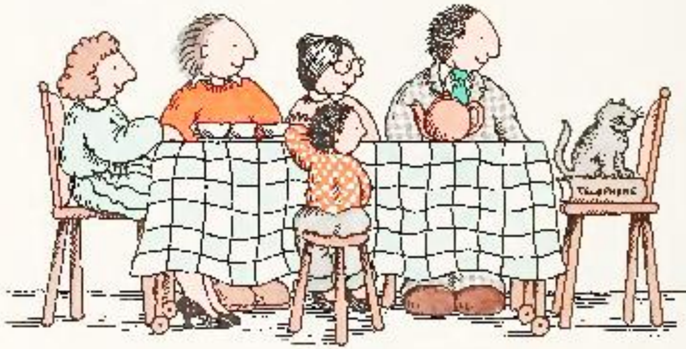
और वह वहां था।





"एड्डी," एडवर्ड बोला।

"हमारा 'एड्डी'," बोले मां, पापा, दादी,
आर्थर चाचा और छुटकी एम्मा।



और उसके बाद किसी ने उसे "एबई" नहीं कहा।



केवल छोटी एम्मा कभी कभी "एबई"
कहती थी लेकिन वह चलता था



क्योंकि आगे के दो दांतों के बिना
"एड्डी" कहना बहुत मुश्किल था।